

06 जुलाई, 2024
आशाह, शुल्क प्रति पृष्ठ : ₹ 3.00
संवर्धन : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

शनिवार, वर्ष 09, अंक 256

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219, Jharkhand



2,3 BHK FLAT
AVAILABLE
FOR SALE
At Bootymore
&
Tatisilwai
(Residential &
Commercial)
On Road, Project
Near & Smart
Point Booty More,
Ranchi
Contact Now
8521980977

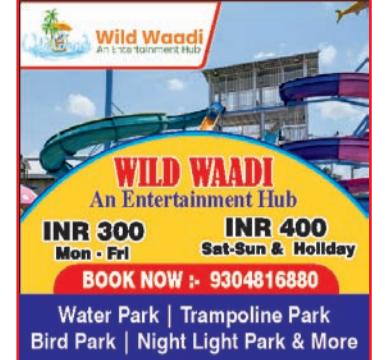
झारखण्ड भाजपा के फिर प्रभारी बने वाजपेयी

दीपक प्रकाश बिहार के सह प्रभारी
भाजपा ने 23 राज्यों में घोषित
किये प्रगति

नयी दिल्ली। भाजपा ने हरियाणा, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, झारखण्ड और ओडिशा समेत देश के 23 राज्यों और केंद्र सांसद बने वाजपेयी नियुक्त हैं और उन्हें पूर्वोत्तर का समन्वयक बनाया गया है। भाजपा ने जिन प्रमुख राज्यों के भाजपा धोरण नियुक्त हैं, उनमें विहार ने विजयपाल सिंह तोमर और लता उर्मी का प्रभार मिला है।

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



राज्य के विकास की स्टीयरिंग फिर हाथ ली है : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री बनने के बाद हेमंत सोरेन ने कार की स्टीयरिंग थायी। उन्होंने कहा है कि राज्य के विकास का स्टीयरिंग अब उनके हाथ में है। इस राज्य के प्रति उनकी बहुत सी सोच है। यहाँ के आदिवासी, दलित, पिछड़े, अव्यसंख्यक, मूलवासी और जल-जंगल-जीवी को लेकर उनके कई विचार हैं। झारखण्ड देश में अलग तरह का राज्य है। कहने का तो इसे सोने की चिड़िया कहते हैं, लेकिन तकलीफ से कहना पड़ता है कि राज्य के लोग अभी भी दो वर्क की



रोटी के लिए संघर्ष करते हैं। चाहे हेमंत सोरेन ने कहा कि 2019 में किसी की भी सरकार रही हो, उनकी संवेदनशीलता नहीं रही।

आपने हमें राज्य को दिशा देने का जिम्मा सौंपा, सरकार बनने के बाद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को रांची स्थित मां बंगलामुखी मंदिर पहुंच कर शीश नवाया। मुख्यमंत्री ने पूजा-अचंचा कर समस्त राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं उन्नति की कमना की।

कोरोना जैसी महामारी आयी। ऐसी स्थिति में देश की हालत बथा थी,

आप सबको मालूम है। सीमित

संसाधन, स्वास्थ्य के घोर अभाव के बावजूद संवेदनशीलता के साथ काम किया। इस जग में दो-दो मंत्री शहद हो गये। कई राजनीतिक अवोध सरकार के सामने आते रहे। सरकार को गिराना, विधायकों की खरीद-फरीद, बूढ़े मुकदमों में फैसाना इस अंतर्वासी राज्यवासियों का शिकार मैं भी हुआ और मुझे पांच महीनों तक जेल में रहना पड़ा। आप लोगों के आशीर्वाद और ताकत की बदौलत सरकार को खरोंच भी नहीं आने दी।

चंपाई सोरेन को अपनी जगह :

सौंप कर होटवार जेल में चला

केंद्र सरकार की वजह से बेरोजगारी

हेमंत सोरेन ने कहा कि कई बुनियादी हमारे सामने हैं। रोजगार, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत सभी क्षेत्रों में काम करने की अवश्यकता है। वर्तमान केंद्र सरकार के सामने आते रहे। इस राजगार घट रहे हैं। छोटे-मझाले उद्योग बंद होते जा रहे हैं। इन्हें देश में छोटे-मझाले उद्योग जा रहे हैं। झारखण्ड के सर्वोच्च विकास के लिए बहुत काम करना होता है। आपको इस बात का एहसास होगा कि इस सरकार की सोच और उद्देश्य क्या है।

यहाँ पांच महीने के बाद न्यायलय के आदेश के बाद बाहर आ पार किया। कई जंग जीते हैं, चाहे वह कारोना या फिर राजनीतिक सांसिध हो। आपके संकल्प को पूरा करने के लिए आपके सामने हैं। साथियों, पांच

साल कई चुनौतियों के साथ हमने के आदेश के बाद बाहर आ पार किया। कई जंग जीते हैं, चाहे वह कारोना या फिर राजनीतिक सांसिध हो। आपके दरवाजे तक संकल्पों को पूरा करने के लिए घुण्हे हैं।

नीट-पीजी की परीक्षा 11 अगस्त को होगी पेपर दो घंटे पहले तैयार होगा

गडबडी की आशंका के बाद 22 जून को स्थिति हुई थी परीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एजनिसेनेशन इन मैडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी परीक्षा की शिवार को नवी तारीख जारी कर दी है। वह परीक्षा 11 अगस्त को ऑनलाइन पोड में दो शिफ्ट में होगी। पहले यह परीक्षा 23 जून को होनी थी, लेकिन गडबडी की आशंका की वजह से इसे 12 घंटे पहले कैंसिल कर दिया गया। पैटर लीक और परिलक लगा कर किया गया। इस मौके पर मां-प्रखंड अंतर्गत सूरिया गांव के बिरहार टोला में पीएम आवास और अच्युतोन्नामी अंजनी अंजन के लाभार्थियों से मूलाकात कर उनकी समर्पणों से भी रुलूर हुए। इसके बाद पूलिम पवित्रकारी से संपर्क कर सरंडर करने का मन बनाया।

मिनटों का तय समय ही मिलेगा। इसका मतलब यह है कि किसी सावल को हल करने के लिए कोई अधर्थी कितना समय दे सकता है, ये पहले से ऑटोमेटिक मोड पर सेट होगा। 2024 से ही नवे पैटर्न पर परीक्षा होगी। इसके जरिये एमबीईएमएस के छात्र देश के टॉप स्कूल पूछे जाते हैं। अब हर सावल का हल करने के लिए कुछ

केंद्रीय कृषि मंत्री कुजू में आयोजित एसएचजी महिला वार्ता कार्यक्रम में हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। केंद्रीय कृषि मंत्री शाहीर भाजपा झारखण्ड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब हमारी बहनों की आंखों में आंसू नहीं आने देंगे। क्योंकि हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि अब से हर क्षेत्र की हमारी मां-बहनें समूह से जुड़कर लखपति बनेंगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शुक्रवार को कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में प्रश्नोच्ची महिलाओं से सवार्ता कार्यक्रम में बोल रहे थे।

शिवराज सिंह ने कहा कि हमारी देश की महिलाएं अग्रे बढ़ेंगी, तभी देश के विकास होगा। आपको आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि सभी योजना लायी गयी है। इसके माध्यम से हर गांव की महिला को प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिसके बाद उसको कार्यक्रम में घोषित किया जायेगा।



सरकार की ओर से बेतन देकर होती है, तो वह हमसे सीधे संपर्क कर सकती है। हजारीबाग क्षेत्र की हर महिला का विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता रही है।

कार्यक्रम में थे थे मौजूद: कार्यक्रम में रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार, और भाजपा कार्यकर्ता शमिल रहे।

पारंपरिक तरीके से हुआ स्वागत

कार्यक्रम शुरू होने से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, संसद मनीष जयसवाल समेत अन्य अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया। इस मौके पर मां-प्रखंड अंतर्गत सूरिया गांव के बिरहार टोला में पीएम आवास और अच्युतोन्नामी अंजनी अंजन के लाभार्थियों से मूलाकात कर उतारे हुए मुख्यधारा में लौट आये। इसके बाद पूलिम पवित्रकारी से संपर्क कर सरंडर करने का मन बनाया।

एनबीईएमएस ने कहा है कि परीक्षा के लिए जरूरी एसओपी और प्रोटोकॉल की समीक्षा करने के बाद नयी तारीख जारी की गयी है।

नये पैटर्न से होगी परीक्षा: एनबीईएमएस ने नीट-पीजी परीक्षा के पैटर्न में बदलाव किया है। इसके जरिये एमबीईएमएस के छात्र देश के टॉप स्कूलों में लौट आये।

परीक्षा में 200 एम्सीक्यू टाइप सावल को हल करने के लिए कुछ

लातेहार : दस-दस लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया सरेंडर

डीआइजी, डीसी और एसपी के सामने किया आत्मसमर्पण

लिया छोट मुख्यधारा से जुड़े नक्सली: डीआइजी

मुकेश कुमार सिंह

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पलामू डीआइजी वाइएस रेंज, उपायुक्त गरिमा सिंह और एसपी अंजनी अंजन के समस्त पुनर्वास नीति नवी दिशा से प्रभावित किये हैं, उनमें विहार ने इनका विवरण किया जाता है। इनके बाद उपायुक्त गरिमा सिंह ने इनकी धोरणी घोषित किया जायेगा।



राजकुमार गोंडा ने पलामू डीआइजी वाइएस रेंज ने कहा कि ये दोनों नक्सली छोट खेरवार दस्ते के सदस्य हैं। यिन्होंने 20 वर्षों से भाकपा माओवादी जेनरेशन से जुड़े हुए थे और विभिन्न घटनाओं में इनकी सांलपत्ता रही है। ये दोनों इनकी सांलपत्ता रही हैं।

राजकुमार गोंडा ने पलामू डीआइजी वाइएस रेंज को बताया कि ये दोनों नक्सली छोट खेरवार दस्ते के सदस्य हैं। यिन्होंने 20 वर्षों से भाकपा माओवादी जेनरेशन से जुड़े हुए थे और विभिन्न घटनाओं में इनकी सांलपत्ता रही है।

संपादकीय

हेमंत सोरेन ने फिर संभाली कमान

जै सी कि संभावना जतायी जा रही ही, जेल से बाहर आने के कुछ ही दिनों बाद जेएमएम नेता हेमंत सोरेन के देवारा मुख्यमंत्री बनने का सप्तांश साफ हो गया। बुधवार को चंपाई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद जिस जल्दबाजी में उन्होंने तुम्हारा नहीं जायेगा। हेमंत सोरेन ही नहीं, जेएमएम का भी कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फ़साया गया है और वह कि लोकसभा चुनावों से ऐसे पहले झारखड़ के मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को गिरफ्तर करके जेल भेजने की जिद के पाछे मंशा वही थी कि राजनीति और सफायी गठबंधन आइएनडीआई को ज्यादा सीटें न मिल सकें। अब जब हाइकोर्ट के आदेश से हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गये हैं तो पार्टी, गठबंधन और सरकार उन्हें योग्य तथा सक्षम नेतृत्व से बताएं चाहते रहे। दिक्षित यह है कि कुछ ऐसे सवाल और मुद्दे भी इस मामले से जुड़े हैं जिन्हें फिलतवत् जेएमएम और आइएनडीआई के नेता अनेकों कर रहे हैं। एक बड़ा सवाल तो यही है कि क्या एक खास परिवार से बाहर के लोगों का स्थान जेएमएम में फिलत जैसा ही है कि जब जरूरत हो वे

किसी का स्थान भरने

आ जाएं और फिर जरूरत पूरी होते ही हटा दिए जायें। जाहिर है, विषय इसे मुझ बनायेगा, बल्कि बनाना शुरू कर दिया है। आने वाले विधानसभा चुनावों में इस सवाल की असरदार काट तैयार करना जेएमएम के

लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों को लेकर चाहे कुछ भी कहा जाये, वह एक तथ्य है कि देश की एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी उनके खिलाफ प्रायाचार के मामलों की जांच कर रही है, जिसका बूढ़ा-सच सामने आना अभी बाकी है। हेमंत सोरेन अभी जमानत पर बाहर आये हैं। खबरें बताती हैं कि इडी उन्हें मिली जमानत कोटि में चुनौती देने की सोच रही है। ऐसे में क्या गारंटी है कि कुप्रीम कोर्ट से फैसला उनके खिलाफ नहीं आयेगा और दोबारा उनके जेल जाने की शिथि दैन नहीं होगी? सबसे ऊपर इडी द्वारा लगाये गये आरोपों की सच्चाई जो भी हो, इससे इनकर नहीं किया जा सकता विवादी एक राजनीतिक मामला भी है। जो व्यक्ति राज्य के मतदाताओं द्वारा चुनी गयी सरकार का नेतृत्व कर रहा था, उस पर एक राष्ट्रीय एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाये। ऐसे में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जमानत पर छूटे ही दोबारा पद पर बैठने के बजाय वह पहले लोगों का फिर से विश्वास हासिल करने पर ध्यान देते, तो न केवल अपना कद ऊंचा करते, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी नवी ऊंचाई देते।

अभिमत आजाद सिपाही

जब वह आगे अविवाकों की उम्मीदों पर खास नहीं जरूर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई आपु अट्ट क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। खास जी की देखो ऐसे लिखाई है, जैसे गोती पिलाये हो। तुम्हा तो एक ढंग का गोता भी नहीं लगा। पाते, तुम्हारे आई को देखो, कितनी सुंदर ड्राइंग करता है, जैसी एवं गंदी होती है, और एक तुम हो जैसे हर दैश निटटी में लोट कर आते हो। तुम से तो एक। शेषी भी ढंग से नहीं खायी जाती - तुम्हारी तुम के बचे तेरनी दें में तुम एक खाता ही है। जितनी दें में तुम एक खाता ही है, इत्तमि इत्यादि।

हर बच्चे में होती है अलग क्षमता और योग्यता



नरेंद्र नाथ महातो



हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर या आइएस नहीं बन सकता। परंतु यदि कोई उस के अंदर की प्रतिमा को पहचान ले और सन्य रहते उसे निखारने का अवश्य प्राप्तान करे तो वो जीवन में सफल अवश्य हो सकता है। जहां तक रेजी शेषी को बहार बताते हुए। ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई जितनी गंदी है। गुता जी की बेटी को देखो, ऐसी टिप्पणियां आज कल हर भारतीय घर में आम हो चर्ची हैं। जब बच्चे अपने अविवाकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उत्तर पाते, खास कर परीक्षा में तो उन पर निकलने और नकारा होने का टैग लग दिया जाता है। न केवल - पार्ड लिखाई अपर्यु अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही हाल है। जैसे कि, देखो तुम्हारी लिखाई ज

